

विद्यार्थियों के अधिगम पर शिक्षकों के अवसाद का प्रभाव – एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

ममता त्रिपाठी

सहायक कुलसचिव,

डॉ. हरी सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर

शोध सार

वर्तमान समय में शैक्षणिक गुणवत्ता केवल शिक्षण पद्धतियों एवं संरचनाओं से प्रभावित नहीं होती, बल्कि शिक्षण करने वाले शिक्षकों की मनःस्थिति से भी प्रभावित होती है क्योंकि इससे विद्यार्थियों का अधिगम अत्यधिक प्रभावित होता है। आज के समय में शिक्षकों में अवसाद (Depression) बहुत बड़ी समस्या के रूप में उजागर हुआ है। शिक्षकों पर बढ़ते हुए कार्यभार, अत्यधिक जिम्मेदारियों, आधिकारिक दबाव, अन्य सौंपे गए दायित्व तथा उनसे की जाने वाली अत्यधिक अपेक्षाओं के कारण उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है और यही मनःस्थिति उन्हें अवसाद की चपेट में ले जा रही है। जिसका प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से प्रभाव विद्यार्थियों के अधिगम पर पड़ रहा है और विद्यार्थियों के जिज्ञासा और रचनात्मकता प्रभावित हो रहे हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन में विद्यार्थियों के अधिगम पर शिक्षकों के अवसाद के प्रभाव के अध्ययन किया गया है। जिसमें 90 शिक्षकों एवं 250 विद्यार्थियों का चयन यद्विच्छिन्न विधि से किया गया। आंकड़े एकत्रीकरण के लिए स्व निर्मित प्रश्नावली और साक्षात्कार विधि का प्रयोग किया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए माध्य, मानक विचलन, t टेस्ट, सहसंबंध का प्रयोग किया गया। परिणामों से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि शिक्षकों के अवसाद और विद्यार्थियों के अधिगम के मध्य उच्च नकारात्मक सहसंबंध पाया गया। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि शिक्षक की मनःस्थिति अर्थात अवसाद का विद्यार्थियों के अधिगम पर सार्थक रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ($r = -0.82$)

बीज शब्द – अवसाद, अधिगम, मनःस्थिति, रचनात्मकता, जिज्ञासा।

प्रस्तावना

मानव जीवन के विकास की नींव होती है शिक्षा और शिक्षा शैक्षिक गुणवत्ता और शिक्षकों की दक्षता पर निर्भर करती है। शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करती है शिक्षक की मनःस्थिति। वर्तमान समय में शिक्षा और शिक्षक दोनों ही अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। जिसमें तकनीकी और अत्यधिक स्पर्धा, कार्य का तनाव, आधिकारिक दबाव आदि। इन्हीं दबावों इत्यादि के कारण शिक्षकों में तनाव, और तनाव से अवसाद की स्थिति बढ़ती जा रही है। शिक्षकों के इस अवसाद के कारण विद्यार्थियों का अधिगम प्रभावित और बाधित हो रहा है। शिक्षकों का अवसाद उनके शिक्षण तकनीक को प्रभावित करता है जब शिक्षक मानसिक रूप से सकारात्मक और स्वस्थ नहीं

होंगे तो वो अपनी कक्षा में भी सकारात्मक और जिज्ञासु रचनात्मक वातावरण नहीं बना सकते। इसी कारण इस विषय पर शोध अध्ययन नितांत आवश्यक है।

अध्ययन की आवश्यकता

शिक्षकों की मनःस्थिति अत्यंत प्रभावी होती है कक्षा कक्ष में। सकारात्मक मनःस्थिति वाले शिक्षकों की कक्षा का वातावरण भी स्वस्थ और रचनात्मक होता है, जिसमें अधिगम शत प्रतिशत होता है। शिक्षक की मनःस्थिति और विद्यार्थियों के अधिगम के संबंध में अत्यंत काम अध्ययन हुए हैं अतः यह शोध अध्ययन बहुत आवश्यक है। प्रस्तुत शोध अध्ययन शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य के महत्व और प्रभाव को वर्णित करता है। विद्यार्थियों के अधिगम से इसका संबंध और प्रभावों को स्पष्ट करता है।

समस्या कथन

“विद्यार्थियों के अधिगम पर शिक्षकों के अवसाद का प्रभाव”

शोध उद्देश्य

1. शिक्षकों के अवसाद के स्तरों का अध्ययन करना।
2. शिक्षकों के अवसाद और विद्यार्थियों के अधिगम के मध्य संबंध का अध्ययन करना।
3. विद्यालय के क्षेत्र और लिंग के आधार पर अध्ययन करना।

शोध परिकल्पनाएं

1. विद्यार्थियों के अधिगम और शिक्षकों के अवसाद के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. लिंगानुसार शिक्षकों के अवसाद में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों के अवसाद के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध पद्धति

प्रस्तुत शोध वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का है। जिसमें जनसंख्या में शिक्षकों और विद्यार्थियों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक निर्देशन विधि का प्रयोग किया गया।

क्रमांक	समूह	संख्या
1.	शिक्षक	90
2.	विद्यार्थी	250
3.	कुल	340

शोध उपकरण में शिक्षक अवसाद मापनी और प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। सांख्यिकीय उपकरण में SPSS का प्रयोग किया गया।

सारणी 1. शिक्षक अवसाद का विश्लेषण

चर	N	माध्य	मानक विचलन
अवसाद	90	28.74	5.62

सारणी 2. विद्यार्थियों का अधिगम –

चर	N	माध्य	मानक विचलन
अधिगम	250	62.42	7.52

सारणी 3. शिक्षकों का अवसाद और विद्यार्थियों के अधिगम के मध्य सहसंबंध –

चर	r
अवसाद*अधिगम	-0.82**

** P<0.01

सारणी 4. लिंगानुसार शिक्षकों का अवसाद

समूह	N	माध्य	मानक विचलन	T
महिला	45	35.84	6.42	4.23**
पुरुष	45	26.83	5.84	

**P < 0.05

सारणी 5 नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों के अवसाद

समूह	माध्य	मानक विचलन	t
ग्रामीण	35.42	6.41	
नगरीय	41.25	6.25	5.21**

** p<0.05

परिणाम एवं व्याख्या –

शोध अध्ययन के सांख्यिकीय विश्लेषण से प्राप्त परिणाम से यह निष्कर्ष निकलता है कि

1. विद्यार्थियों के अधिगम और शिक्षकों के अवसाद के मध्य नकारात्मक सहसंबंध पाया गया, अतः कहा जा सकता है कि शिक्षकों के अवसाद का विद्यार्थियों के अधिगम पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिससे उनका अधिगम कम होता है।
2. लिंगानुसार अध्ययन के प्राप्त परिणामों से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि महिला शिक्षकों में अवसाद का स्तर तुलनात्मक रूप से अधिक प्राप्त होता है।
3. ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों की तुलना में नगरीय क्षेत्र के शिक्षकों में अवसाद का स्तर तुलनात्मक रूप से अधिक प्राप्त हुआ।

निष्कर्ष –

प्रस्तुत अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य विद्यार्थियों के अधिगम को प्रभावित करने वाला प्रमुख चर है। अवसाद से ग्रसित शिक्षक अपनी कक्षा का वातावरण सकारात्मक और जिज्ञासु और रचनात्मक नहीं बना सकता है और इनके अभाव में विद्यार्थियों का अधिगम सार्थक और तुलनात्मक रूप से आयत कम प्राप्त होता है। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों की जिज्ञासाएं न्यून और रचनात्मकता नगण्य होकर अधिगम भी प्रभावित होता है। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि शिक्षकों की मनःस्थिति अर्थात् अवसाद की स्थिति विद्यार्थियों के अधिगम को सार्थक रूप से सकारात्मक और नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। इसके लिए अनेकों कारण हो सकते हैं, जैसे शिक्षकों पर बढ़ते हुए कार्यभार और आधिकारिक दबाव अथवा नकारात्मक प्रतिस्पर्धा। इसलिए यह नितांत आवश्यक है कि शिक्षकों और विद्यार्थियों के मध्य एक स्वस्थ और सकारात्मक मनःस्थिति बनी रहनी चाहिए।

सुझाव –

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन शिक्षकों के अवसाद के प्रभावों पर आधारित था , जिसे विद्यार्थियों के अवसाद पर आधारित भी किया जा सकता है।
2. इसमें नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों पर अध्ययन किया गया जिसे विद्यालय के प्रकार अर्थात् शासकीय और अशासकीय पर भी किया जा सकता है।
3. इसमें शिक्षकों के अवसाद के साथ उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि पर भी अध्ययन किया जा सकता है।
4. शिक्षकों और विद्यार्थियों की संख्या को और अधिक के साथ भी किया जा सकता है।

संदर्भ सूची -

1. बंदूरा, ए. (1986). *सोशल फाउंडेशन ऑफ थॉट एंड एक्शन*. प्रेंटिस-हॉल.
2. किज़गर, जे. ए., एट अल. (2016). टीचर वेलबीइंग एंड स्टूडेंट वेलबीइंग. *बीएमजे ओपन*, 6(11).
3. ब्राउन, एस. एस., एट अल. (2021). टीचर वेलबीइंग एंड स्टूडेंट आउटकम्स. *माइंडफुलनेस*, 12(2), 484–499.